पब्लिक अफ़ेयर्स इंडेक्स 2022 –
प्रेस नोट

पब्लिक अफ़ेयर्स इंडेक्स 2022 (PAI 2022) एक गैर-पक्षपाती और स्वतंत्र प्रयास है जो भारत के राज्यों में शासन-प्रणाली के लिए साक्ष्य-आधारित अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। यह मूल्यांकन, केंद्र सरकार के स्रोतों प्राप्त आकड़ों पर आधारित है।

PAI 2022 शुक्रवार, 14 अक्टूबर, 2022 को जारी किया गया था। विवरण इस प्रकार हैं:

- समय: शाम 4.00 से 6.00 बजे तक।
- स्थान: एडमिनिस्ट्रेटिव रिसर्च इंस्टिट्यूट 01, इन्फैंट्री रोड, शिवाजी नगर, बेंगलुरु, कर्नाटक

जी. गुरुचरण, (आईएएस, सेवानिवृत्त), निदेशक, पीएसी (PAC) ने अपना भाषण शुरु करते हुए कहा, "पीएआई (*PAI*) का यह सातवां संस्करण भारत में राज्यों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के संवैधानिक रूप से अनिवार्य ढांचे को अपनाते हुए, वर्ष 2021-2022 के दौरान उनके शासन के प्रदर्शन के आकलन के लिए, एक महत्वपूर्ण लाता है। राज्यों के शासन प्रदर्शन को मापने के लिए उपयोग किए जाने वाले विषय, उप-विषय और संकेतक इस प्रकार मुख्य रूप से भारत के संविधान से लिए गए हैं। एक पद्धतिगत दृष्टिकोण से भी, पीएआई 2022 पिछले संस्करणों के तुलना में कहीं अधिक कठोर है। *PAI* 2022 के लिए लागू कार्यप्रणाली पर पब्लिक अफ़ेयर्स सेंटर (PAC) का फ़ोकस विश्लेषणों में वैज्ञानिक दृढ़ता को बढ़ावा देना रहा है।"

मुख्य अतिथि श्री. वी सुधीश पई, वरिष्ठ अधिवक्ता ने साझा किया, "संविधान स्वतंत्रता से प्राप्त शक्ति के चार्टर का प्रतिनिधित्व करता है न कि शक्ति से प्राप्त स्वतंत्रता के चार्टर का। लोगों के अधिकार और स्वतंत्रता राज्य के अधिकारों को सीमित कर देते हैं। गिनी हुई शक्तियों वाली सीमित सरकार मिलती है। संविधान और उसके विभिन्न प्रावधानों द्वारा निर्मित संस्थाएं इसे देखने के लिए हैं कि लोकतंत्र और स्वतंत्रता खोखले वादे न रहें और न्याय और सुशासन सुनिश्चित किया जाता रहे। प्रस्तावना के साथ भाग *III* और *IV* संविधान की दृष्टि को दर्शाते हैं। *PAI 2022* सुशासन प्रदान करने और न्याय के संवैधानिक दृष्टिकोण को प्राप्त करने के प्रयास में सरकारों के प्रदर्शन

का आकलन करता है।

डॉ. ए. रवींद्र, (आईएएस, सेवानिवृत्त) अध्यक्ष, *PAC* ने अपने संबोधन में कहा, " *PAI-2022* स्वतंत्र, आधुनिक भारत की जड़ों यानी इसके संविधान की ओर लौटता है। यह राज्यों और केंद्र को आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक, सुशासन-न्याय के मूलभूत दस्तावेज की भावना याद दिलाता है, जो इसकी प्रस्तावना में निहित और राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों में विस्तृत है। यह अवश्य राज्यों को अधिक जन-केंद्रित शासन की ओर प्रेरित करे।"

भारतीय स्वतंत्रता के 'अमृत काल' में, PAI 2022 भारतीय लोकतंत्र का मार्गदर्शन करने वाली संवैधानिक वाचा को साकार करने के लिए राज्य सरकारों की प्रतिबद्धता का मूल्यांकन करता है। PAI 2022 में शासन का विश्लेषण, सतत विकास लक्ष्यों (SDG) के ढांचे से **न्याय के संवैधानिक रूप से निहित सिद्धांत** में बदलाव अनुभव करता है। न्याय की यह अवधारणा **तीन विषयों** के माध्यम से संचालित होती है

- सामाजिक न्याय, आर्थिक न्याय और राजनीतिक न्याय - **पांच उप-विषय** और **22 संकेतक**।

PAI 2022 एक पद्धतिगत बदलाव भी अनुभव करता है और एक समग्र सूचकांक पर पहुंचने के लिए वरीयता क्रम के लिए समानता से आदर्श समाधान तकनीक (TOPSIS) विधि का उपयोग करके एक मल्टी क्राइटेरिया डिसीजन मेकिंग (MCDM) दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। TOPSIS के उपयोग के पीछे की अवधारणा यह है कि चुना गया विकल्प सकारात्मक आदर्श स्थिति (तुलनात्मक श्रेष्ठतम प्रदर्शनकर्ता) के निकटतम और नकारात्मक आदर्श समाधान (तुलनात्मक निकृष्टम प्रदर्शनकर्ता) से काफी दूर होना चाहिए। यह विधि **संकेतकों को भार सौंपने की प्रक्रिया का समापन** करती है और केवल आदर्श समाधान समुच्चयों से विचलन के आधार पर मापी जाती है। इस विचलन को महालनोबिस दूरी का उपयोग करके मापा जाता है; संकेतकों के बीच सहप्रसरण को ध्यान में रखते हुए।

जनसंख्या और आकार के संदर्भ में भारत के राज्यों में भिन्नता के लेखांकन के लिए, राज्यों को 18 बड़े राज्यों और 10 छोटे राज्यों में वर्गीकृत करने के लिए एल्बो विधि का उपयोग किया गया था। PAI 2022 केंद्र शासित प्रदेशों को, आंकड़ों की अनुपलब्धता और उनके शासन में कुछ संवैधानिक रूप से अनिवार्य प्रकार्यों की अप्रासंगिकता के कारण विश्लेषण में शामिल नहीं करता है।

PAI 2022 परिणाम

बड़े राज्य

बड़े राज्य	सूचकांक प्राप्तांक	रैंक
हरियाणा	0.6948	1
तमिलनाडु	0.6668	2
केरल	0.6666	3
छत्तीसगढ़	0.6305	4
पंजाब	0.6223	5
कर्नाटक	0.6216	6
आंध्र प्रदेश	0.5925	7
मध्य प्रदेश	0.5768	8
राजस्थान	0.5525	9
गुजरात	0.5473	10
ओडिशा	0.5412	11
उत्तर प्रदेश	0.5201	12
असम	0.5024	13
तेलंगाना	0.4871	14
बिहार	0.4609	15
महाराष्ट्र	0.4416	16
पश्चिम बंगाल	0.4238	17
झारखंड	0.3534	18

छोटे राज्य

छोटे राज्य	सूचकांक प्राप्तांक	रैंक
सिक्किम	0.5715	1
हिमाचल प्रदेश	0.5048	2
उत्तराखंड	0.4953	3
गोवा	0.4828	4
मिजोरम	0.4700	5
अरुणाचल प्रदेश	0.4639	6
मेघालय	0.4466	7
मणिपुर	0.3441	8
त्रिपुरा	0.3166	9
नगालैंड	0.3104	10

शीर्ष प्रदर्शनकर्ता राज्यों के लिए संकेतक स्तरीय अंतर्दृष्टि

राज्य		आर्थिक न्याय	राजनीतिक न्याय	सामाजिक न्याय
हरियाणा	उपलब्धियां	श्रम उत्पादकता दिहाड़ी मजदूरों को जीवन स्तर का आश्वासन	ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों को कार्यात्मक हस्तांतरण स्थानीय निकायों को स्वतंत्र वित्तीय हस्तांतरण के लिए प्रतिबद्धता	विद्यालय जाने वालों के लिए सीखने के परिणाम सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता कवरेज

				~~बचपन के~~ विकास के परिणाम रसद और व्यापार में आसानी
	आकांक्षाएं	विकास पर सार्वजनिक व्यय सोशल सिक्योरिटी नेट का कवरेज रोजगार के अवसर	अपराध की घटना मामले से संबंधित साक्ष्य जुटाने में पुलिस की दक्षता विचाराधीन आबादी के लिए निवारण	बिजली आपूर्ति की नियमितता और विश्वसनीयता

तमिलनाडु	उपलब्धियां	आय और संसाधनों का समान विभाजन	मामले से संबंधित साक्ष्य जुटाने में पुलिस की दक्षता अपराध की घटना ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों को कार्यात्मक हस्तांतरण विचाराधीन आबादी के लिए निवारण	जनसंख्या स्वास्थ्य बचपन के विकास के परिणाम स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन की उपलब्धता
	आकांक्षाएं	विकास पर सार्वजनिक व्यय रोजगार के अवसर	-	सीखने के परिणाम
केरल	उपलब्धियां	श्रम उत्पादकता दिहाड़ी मजदूरों को जीवन स्तर का आश्वासन	मामले से संबंधित साक्ष्य जुटाने में पुलिस की दक्षता विचाराधीन आबादी के लिए निवारण ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों को कार्यात्मक हस्तांतरण	जनसंख्या स्वास्थ्य बचपन के विकास परिणाम सुरक्षित स्वच्छता कवरेज
	आकांक्षाएं	विकास पर सार्वजनिक व्यय रोजगार के अवसर	-	रसद और व्यापार में आसानी

		~~रोजगार के~~		
सिक्किम	उपलब्धियां	अवसर श्रम उत्पादकता दिहाड़ी मजदूरों को जीवन स्तर का आश्वासन अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी	स्थानीय निकायों को स्वतंत्र वित्तीय हस्तांतरण के लिए प्रतिबद्धता	बचपन के विकास के परिणाम भूमि उपयोग की दक्षता और पर्यावरणीय स्थिरता
	आकांक्षाएं	विकास पर सार्वजनिक व्यय आय और संसाधनों का समान वितरण खुद का स्रोत राजस्व जुटाना	-	विद्यालय जाने वालों के लिए सीखने के परिणाम

हिमांचल प्रदेश	उपलब्धियां	अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी खुद का स्रोत राजस्व जुटाना दिहाड़ी मजदूरों को जीवन स्तर का आश्वासन	ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों को कार्यात्मक हस्तांतरण स्थानीय निकायों को स्वतंत्र वित्तीय हस्तांतरण के लिए प्रतिबद्धता मामले से संबंधित साक्ष्य जुटाने में पुलिस की दक्षता	जनसंख्या स्वास्थ्य सुरक्षित पेयजल तक पहुंच रसद और व्यापार में आसानी विद्यालय जाने वालों के लिए सीखने के परिणाम
	आकांक्षाएं	सामाजिक सुरक्षा जाल का कवरेज आय और संसाधनों का समान वितरण	अपराध की घटना	बिजली आपूर्ति की नियमितता और विश्वसनीयता भूमि उपयोग की दक्षता और पर्यावरणीय स्थिरता
	आकांक्षाएं	दिहाड़ी मजदूरों को जीवन स्तर का आश्वासन रोजगार के अवसर विकास पर सार्वजनिक व्यय	ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों को कार्यात्मक हस्तांतरण	-
उत्तराखंड	उपलब्धियां		मामले को संगठित करने में पुलिस की दक्षता- संबंधित साक्ष्य रसद और व्यापार में आसानी	बिजली आपूर्ति की नियमितता और विश्वसनीयता सुरक्षित पेयजल तक पहुंच भूमि उपयोग की दक्षता और पर्यावरणीय स्थिरता

		दिहाड़ी मजदूरों को	ग्रामीण और शहरी	
	आकांक्षाएं	जीवन स्तर का आश्वासन रोजगार के अवसर विकास पर सार्वजनिक व्यय आय और संसाधनों का समान वितरण	स्थानीय निकायों को कार्यात्मक हस्तांतरण	

संपर्क करें

- डॉ. अन्नपूर्णा रविचंदर, हेड-पॉलिसी एंगेजमेंट एंड कम्युनिकेशन
  - +91 9880844862
  - annapoorna@pacindia.org
- अंजना किरपड़ाथिल (Anjna Kizhpadathil), प्रोग्राम ऑफ़िसर, PAC और टीम लीड, PAI 2022
  - +91 70341 53192
  - anjanakizhpadathil@pacindia.org